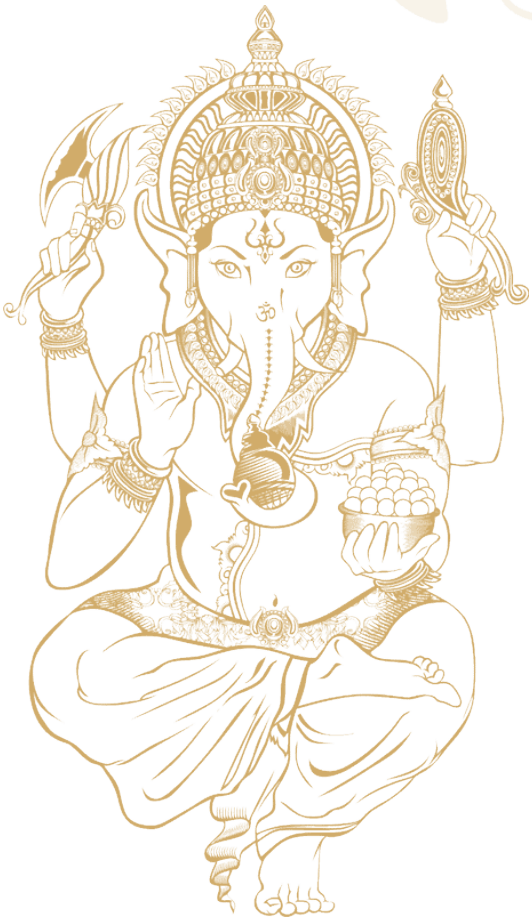

Pt.K.chaturvrdi

27 Feb 1964

05:05 PM

Kanpur

Model: Varshphal-2017

Order No: 119460801

तिथि 27/02/1964 **समय** 17:05:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Kanpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:21:07
अक्षांश 26:27:00 उत्तर **रेखांश** 80:19:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:08:44 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	03:21:40 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:13:00 घं	योनि	मूषक
सूर्योदय	06:35:42 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:07:57 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2020	वश्य	वनचर
शक संवत	1885	वर्ग	मूषक
मास	फाल्गुन	युँजा	मध्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	अग्नि
तिथि	15	जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-रजत
योग	सुकर्मा	होरा	शुक्र
करण	बव	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
शुक्र 18वर्ष 11मा 28दि
गुरु
25/02/2024
25/02/2040

गुरु	14/04/2026
शनि	25/10/2028
बुध	31/01/2031
केतु	07/01/2032
शुक्र	07/09/2034
सूर्य	26/06/2035
चन्द्र	25/10/2036
मंगल	01/10/2037
राहु	25/02/2040

योगिनी
उल्का 5वर्ष 8मा 11दि
धान्या
09/11/2023
09/11/2026

धान्या	08/02/2024
भ्रामरी	09/06/2024
भद्रिका	08/11/2024
उल्का	10/05/2025
सिद्धा	09/12/2025
संकटा	09/08/2026
मंगला	09/09/2026
पिंगला	09/11/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			01:29:39	सिंह	मघा	1	केतु	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			14:33:29	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	केतु	शत्रु राशि	1.30	भ्रातृ	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			14:00:16	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि	1.00	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	12:18:39	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	सम राशि	1.03	पुत्र	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध		अ	02:25:55	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	केतु	सम राशि	0.70	कलत्र	ज्ञाति	क्षेम
गुरु			26:25:39	मीन	रेवती	3	बुध	गुरु	स्वराशि	1.50	आत्मा	धन	मित्र
शुक्र			26:14:25	मीन	रेवती	3	बुध	गुरु	उच्च राशि	1.49	अमात्य	कलत्र	मित्र
शनि		अ	03:42:21	कुंभ	धनिष्ठा	4	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.46	ज्ञाति	आयु	क्षेम
राहु	व		16:15:05	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	शुक्र	उच्च राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु	व		16:15:05	धनु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

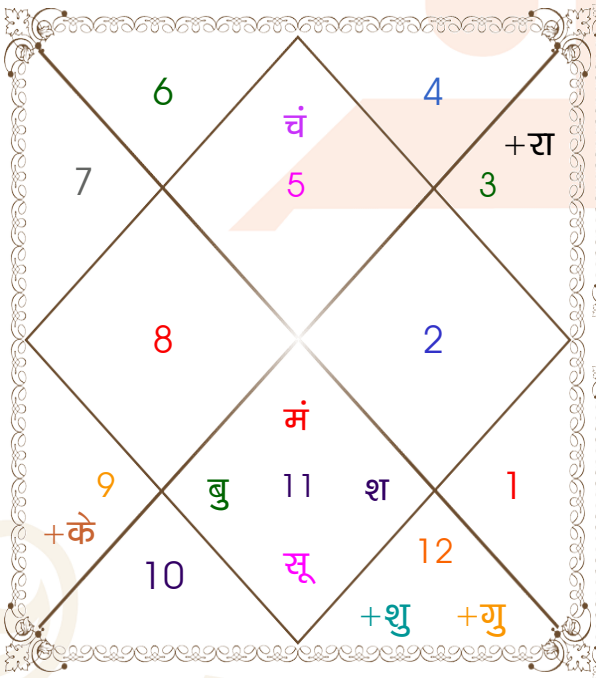

चन्द्र कुंडली

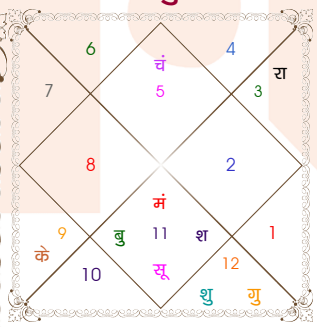

नवमांश कुंडली

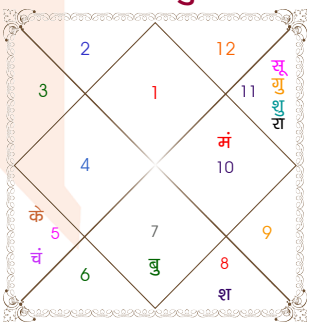

सर्वाष्टकवर्ग

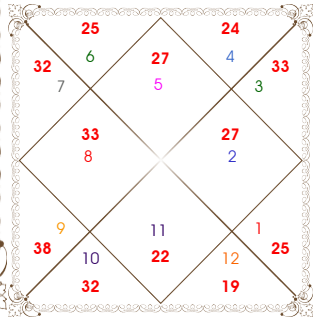

दशमांश कुंडली

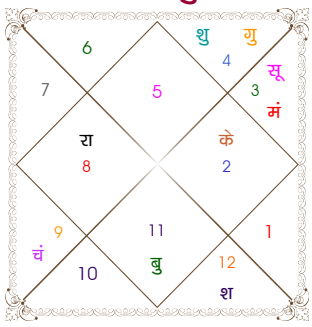

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा तथापि यदा कदा आपको शारीरिक रूप से कष्ट या परेशानी हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर मन में व्याकुलता तथा अशान्ति रहेगी। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके सामान्य संबंध रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही यदा कदा अल्प समय के लिए संबंधों में तनाव भी हो सकता है। इस वर्ष में आपके विगत रूके हुए कार्य परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है । संतति पक्ष के लिए समय मध्यम रहेगा तथा अपने क्षेत्र में वे सामान्यतया उन्नतिशील रहेंगे परन्तु आपको उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों में भी न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा व्यापार में सामान्य सफलता प्राप्त होगी। साथ ही लाभ भी होगा परन्तु अल्प मात्रा में। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा विलम्ब भी होगा। साथ ही विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा इस वर्ष उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे अतः इनसे आपको विशेष सहयोग एवं लाभ नहीं मिलेगा। इस वर्ष में स्वपराक्रम से आप मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे साथ ही आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी परन्तु समय अत्यन्त ही परिश्रमशील रहेगा। अतः धैर्य पूर्वक अपने समस्त कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट एवं परेशानी से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय रक्त विकार संबधी कोई परेशानी भी हो सकती है।मानसिक रूप से भी इस समय आप चिन्तित तथा असन्तुष्ट रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव की भी संभावना रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। संतति पक्ष के लिए भी यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा उनके सुख एवं सहयोग में भी अल्पता रहेगी। परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस वर्ष में विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे जिससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा इसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में आपकी उन्नति तथा लाभ में न्यूनता रहेगी तथा नौकरी या कार्य क्षेत्र में पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें उत्पन्न होंगी। साथ ही विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा अतः ऐसे समय में आपको नवीन कार्य प्रारंभ नहीं करने चाहिए तथा सहयोगियों तथा साझेदारों से भी सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे फलतः ये आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उन्नति एवं लाभ अर्जित करने के लिए इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

प्रथम मास

27/02/2025 08:33:36 से 29/03/2025 10:47:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	24:16:27
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	14:33:30
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:21:39
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	22:51:47
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:54:59
गुरु		वृष	रोहिणी	17:55:21
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	16:27:31
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:15:05
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:13:33
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:13:33
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:29:39

मासाधिपति

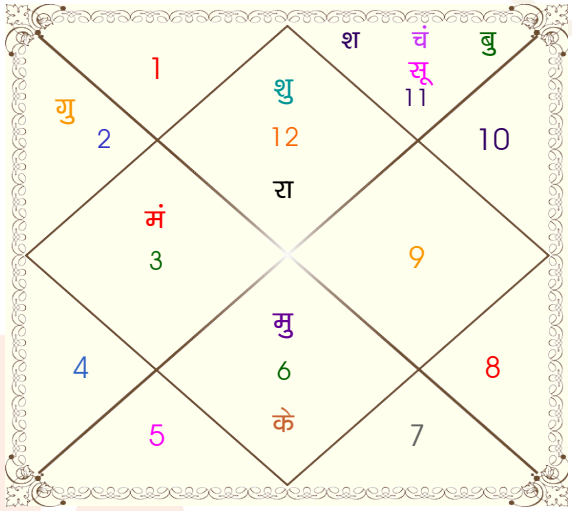

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

29/03/2025 10:47:33 से 29/04/2025 01:23:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	04:53:49
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	14:33:30
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	11:13:57
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	28:30:23
बुध	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:26:59
गुरु		वृष	रोहिणी	21:20:43
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:44:04
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:56:42
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:13:01
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:13:01
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:59:39

मासाधिपति

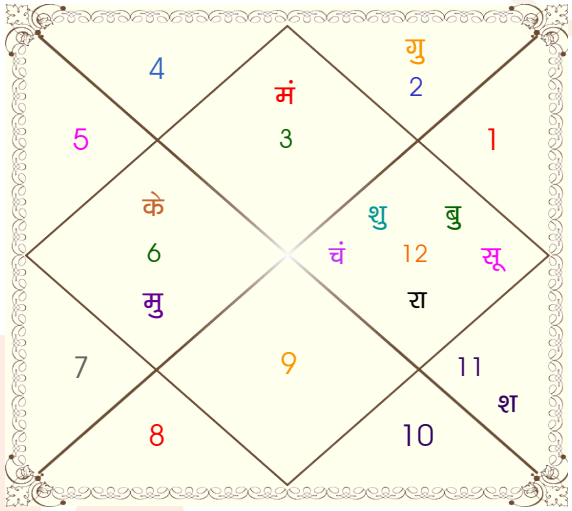

मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास
29/04/2025 01:23:10 से 30/05/2025 03:26:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	20:32:48
सूर्य		मेष	भरणी	14:33:30
चन्द्र		मेष	कृतिका	29:02:54
मंगल		कर्क	पुष्य	10:23:39
बुध		मीन	रेवती	18:25:59
गुरु		वृष	मृगशिरा	26:43:35
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	04:46:56
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:24:56
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:29:31
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:29:31
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:29:39

मासाधिपति

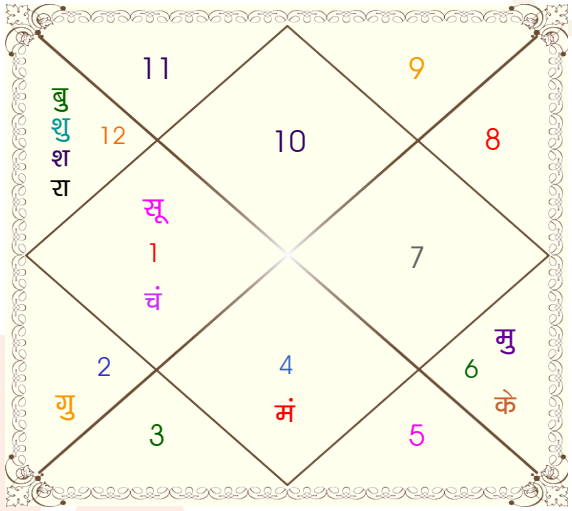

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
30/05/2025 03:26:06 से 30/06/2025 12:49:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	12:02:28
सूर्य		वृष	रोहिणी	14:33:30
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	22:50:00
मंगल		कर्क	आश्लेषा	25:44:18
बुध		वृष	रोहिणी	14:14:02
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	03:19:16
शुक्र		मीन	रेवती	28:43:42
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:07:56
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:59:07
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:59:07
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:59:39

मासाधिपति

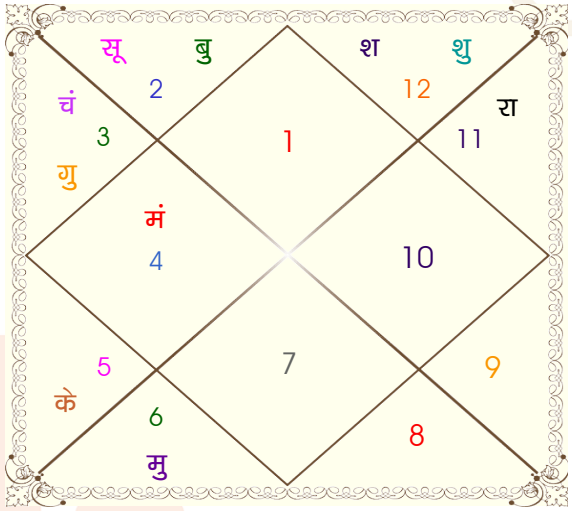

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा इस समय आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास आपका शत्रुपक्ष बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे फलतः मानसिक रूप से आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें एवं उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे अन्यथा आपको असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। साथ ही धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक संकट भी न्यूनाधिक मात्रा में रहेगा। आपके द्वारा इस मास कोई ऐसा भी कार्य हो सकता है जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इस मास आपके सम्बन्धियों तथा मित्रों से तनावपूर्ण संबध रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज से भी आपको उपेक्षा मिलेगी तथा आशाएं भी अल्पमात्रा में पूर्ण होंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में शुभ फल भी घटित होंगे।जिसके प्रभाव से आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे जिससे मानसिक प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति होगी।

पंचम् मास
30/06/2025 12:49:11 से 31/07/2025 23:15:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	22:32:17
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	14:33:30
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:13:26
मंगल		सिंह	मघा	13:09:09
बुध		कर्क	पुष्य	10:06:14
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	10:26:38
शुक्र		वृष	कृतिका	01:01:40
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:34:54
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:51:16
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	26:51:16
मुंथा		कन्या	हस्त	11:29:39

मासाधिपति

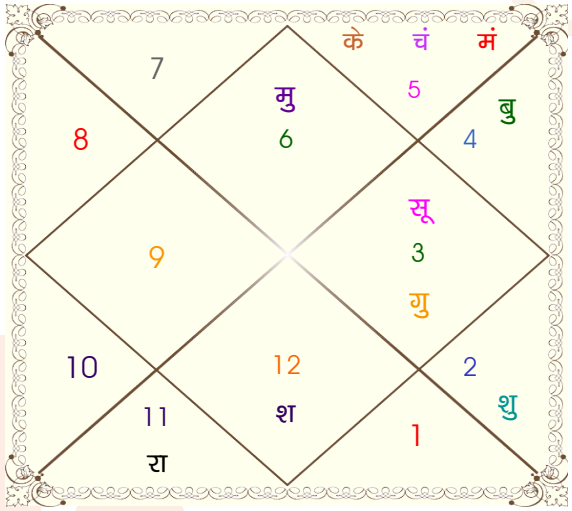

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रूके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

षष्ठ मास

31/07/2025 23:15:17 से 01/09/2025 04:08:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	11:03:24
सूर्य		कर्क	पुष्य	14:33:30
चन्द्र		तुला	चित्रा	05:57:14
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:55:31
बुध	व	कर्क	पुष्य	14:58:40
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	17:26:30
शुक्र		मिथुन	मृगशिरा	06:27:00
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:25:53
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:51:09
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:51:09
मुंथा		कन्या	हस्त	13:59:39

मासाधिपति

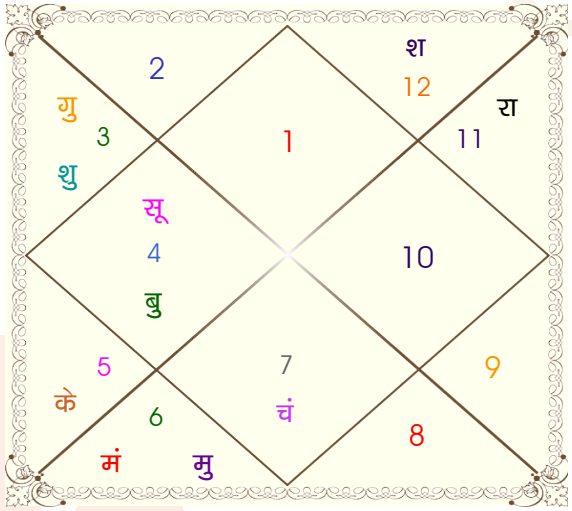

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी। इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

सप्तम् मास
01/09/2025 04:08:01 से 01/10/2025 22:30:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	21:43:59
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:33:29
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:01:17
मंगल		कन्या	हस्त	21:39:35
बुध		सिंह	मघा	02:43:37
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:38:43
शुक्र		कर्क	पुष्य	13:16:26
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:48:38
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:10:58
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:10:58
मुंथा		कन्या	हस्त	16:29:39

मासाधिपति

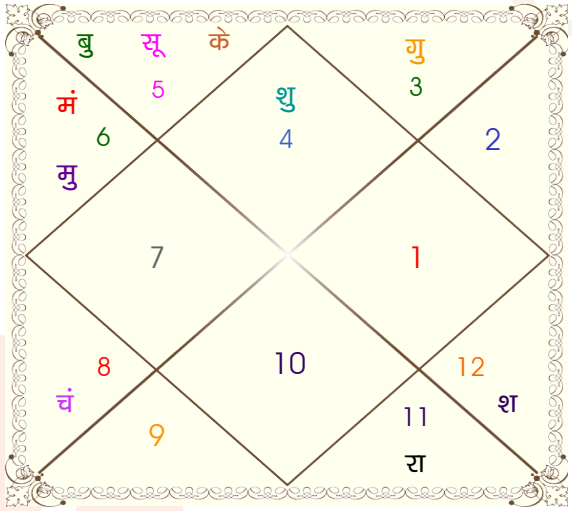

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
01/10/2025 22:30:12 से 01/11/2025 04:25:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	04:24:16
सूर्य		कन्या	हस्त	14:33:29
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:15:46
मंगल		तुला	स्वाति	12:07:47
बुध		कन्या	चित्रा	28:05:25
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:19:53
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:43:30
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:29:13
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:57:46
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:57:46
मुंथा		कन्या	हस्त	18:59:39

मासाधिपति

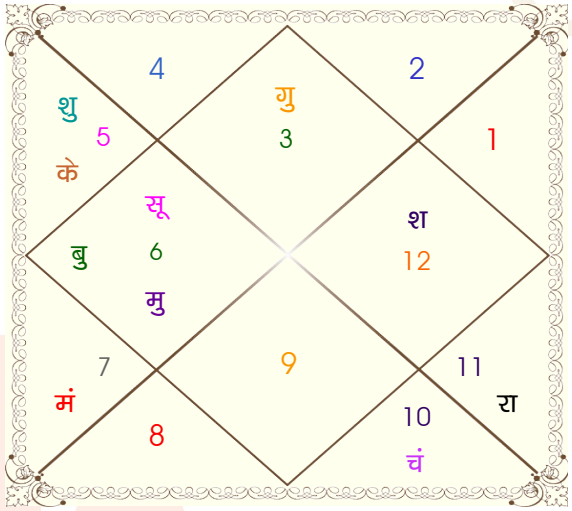

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
01/11/2025 04:25:12 से 30/11/2025 23:18:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	18:51:36
सूर्य		तुला	स्वाति	14:33:30
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	12:02:38
मंगल		वृश्चिक	विशाखा	03:13:06
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	08:09:44
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:44:40
शुक्र		कन्या	चित्रा	28:17:23
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:34:46
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:49:32
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:49:32
मुंथा		कन्या	हस्त	21:29:39

मासाधिपति

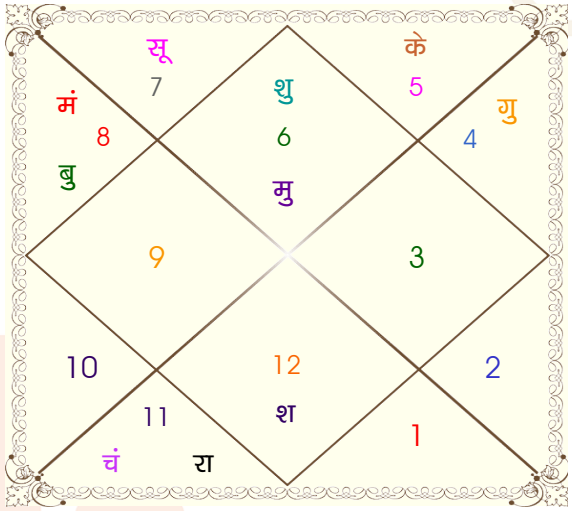

मासाधिपति : शनि

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्नचित रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे वांछित लाभ अर्जित होगा। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके चिर प्रतीक्षत शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस समय सफल होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगे तथा इनसे पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही उत्तम फल दायक रहेगा।

दशम् मास
30/11/2025 23:18:02 से 30/12/2025 11:21:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	06:33:19
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	14:33:30
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	15:33:10
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:53:00
बुध		तुला	विशाखा	26:34:31
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:19:50
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	05:39:11
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:56:37
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:05:28
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:05:28
मुंथा		कन्या	चित्रा	23:59:39

मासाधिपति

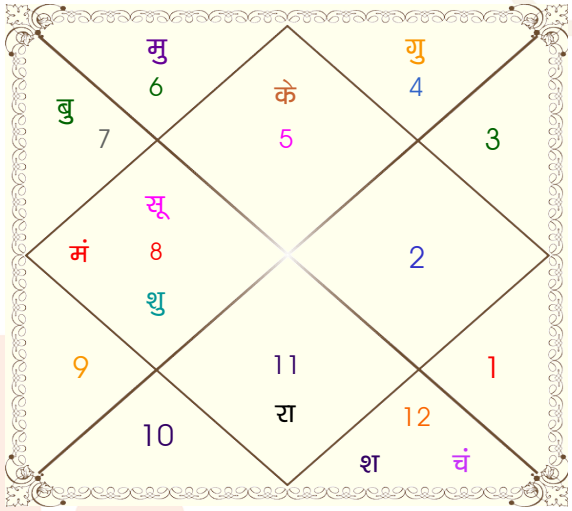

मासाधिपति : बुध

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

एकादश मास
30/12/2025 11:21:38 से 28/01/2026 22:27:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	पू०भाद्रपद	01:49:43
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:33:30
चन्द्र		मेष	भरणी	16:31:44
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:07:20
बुध		धनु	मूल	01:45:40
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:21:50
शुक्र		धनु	मूल	12:46:32
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:50:44
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:56:50
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:56:50
मुंथा		कन्या	चित्रा	26:29:39

मासाधिपति

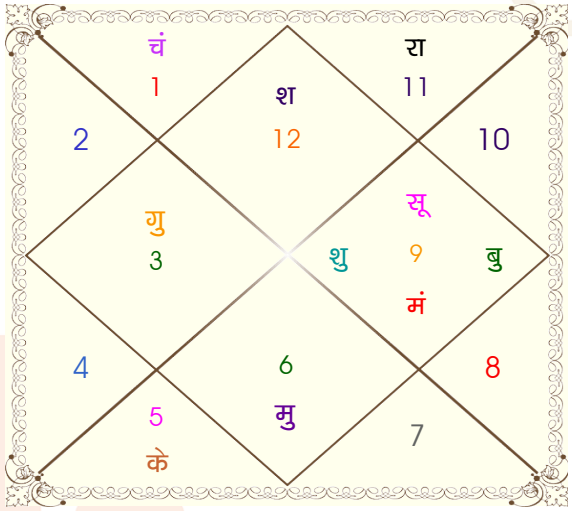

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे या इनको कोई कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपके अन्दर उत्साह के भाव की न्यूनता स्पष्ट परिलक्षित होगी तथा धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा। अतः आर्थिक क्षेत्र में आप कष्ट प्राप्त करेंगे। आप का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मनमुटाव तथा वैमनस्य रहेगा। इसके अतिरिक्ति समाज तथा परिवार के लोगों से आपके परस्पर विवाद होते रहेंगे।अतः ऐसे समय को संयम पूर्वक व्यतीत करना ही बुद्धिमानी रहेगी।

साथ ही इस मास में आपको अल्प मात्रा में शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति भी हो सकती है। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्य आदि भी प्राप्त कर सकते है जिससे आप किंचित सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

द्वादश मास

28/01/2026 22:27:43 से 27/02/2026 14:41:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	17:09:57
सूर्य		मकर	श्रवण	14:33:30
चन्द्र		वृष	रोहिणी	17:50:48
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:55:45
बुध		मकर	श्रवण	19:27:57
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:30:54
शुक्र		मकर	श्रवण	19:49:16
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:05:55
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:07:05
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:07:05
मुंथा		कन्या	चित्रा	28:59:39

मासाधिपति

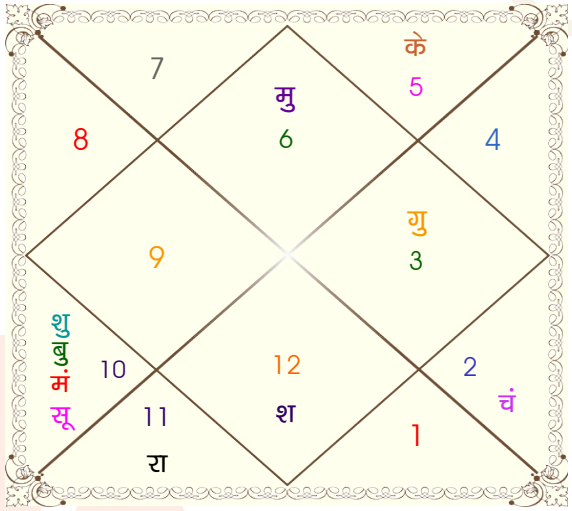

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस महीने आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आयस्त्रोतों में वृद्धि होगी तथा वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा आपके चिर प्रतीक्षित महत्वपूर्ण कार्य भी इसी मास में सफल होंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सांसारिक कार्यो को सफल बनाने में भी आप समर्थ होंगे। आपका उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा।

साथ ही इस मास में स्त्री एवं पुत्र से आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं आदि प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।